परमाणु ऊर्जा केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 4 रावतभाटा

मॉडल पेपर (अर्द्धवार्षिक परीक्षा) 2015

कक्षा ग्यारहवीं समय 3 घंटे

विषय हिंदी पूर्णांक 90

प्र० 1 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

चंदन के पेड़ पर विषैले सर्प लिपटे होते हैं , पर चंदन विषैला नहीं होता | वह किसी भी स्थिति में अपनी शीतलता और सुगंध नहीं छोड़ता है | इसी तरह जो व्यक्ति सदगुण संपन्न होते हैं , सदाचारी होते हैं, जन हित ही जिनके जीवन का लक्ष्य होता है| वे महान पुरुष होते हैं , महात्मा होते हैं| दुष्टों के निरंतर संसर्ग और संपर्क में रहते हुए भी उनके चरित्र और स्वभाव पर कोई दुष्प्रभाव नहीं पड़ता| उनके स्वभाव में कोई विकृति नहीं आ पाती | वे चंदन की भांति दुष्प्रवृत्तियों के बीच रहते हुए भी समाज के संतापों को अपनी शीतलता से हटाते रहते हैं| अपने गुणों की सुगंध से वातावरण को पवित्र बनाए रहते हैं | वे दुष्टों के प्रति निस्संग और निर्लिप्त रह कर भी अपना कार्य करते रहते हैं | संगति का गुप्त प्रभाव हमारे आचरण पर बड़ा भारी पड़ता है | यह उक्ति सामान्य व्यक्तियों के लिए कही गई है | चंदन जैसे व्यक्तित्व और चरित्र वाले और उदात्त स्वभाव वाले महापुरुषों पर यह लागू नहीं होती| ये लोग कुसंगति के प्रभाव से बहुत ऊपर उठ चुके होते हैं| वह प्रभाव उन्हें छू भी नहीं पाता है, यहाँ तक बात और ध्यान देने योग्य है , वह यह कि चंदन का वृक्ष अपने अंगो से लिपटे हुए विषधरों के प्रति कोई प्रति -क्रिया नहीं करता, उसी तरह ये महान लोग दुष्टों के प्रति कोई घृणा , द्वेष या आक्रोश नहीं करते और न वे उन्हें दंड देने की चेष्टा करते हैं | बस चंदन के वृक्ष की तरह उनकी सत्ता की उपेक्षा करते हुए समाज हित में निरत रहते हैं |

क) किन लोगों के जीवन का लक्ष्य जनहित होता है ? 2

ख) दुष्टों के प्रति सदगुण संपन्न लोगों का व्यवहार कैसा होता है ? 2

ग) संगति का प्रभाव मनुष्य के जीवन पर कैसा पड़ता है ? 2

घ) सदगुण संपन्न व्यक्ति की तुलना चंदन से क्यों की गई है ? 2

ड.) उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक दीजिए | 1

च) "दुष्ट " और "द्वेष" का विपरीतार्थक शब्द लिखिए | 1

अथवा

नम्रता ही स्वतंत्रता की जननी है |यह कथन उचित है पर कुछ लोग भ्रमवश अहंकारको स्वतंत्रता की जननी मान लेते हैं , किन्तु उन्हें इस बात का उचित ज्ञान नहीं होता कि अहंकार

स्वतंत्रता का गला ही घोट सकती है |स्वतंत्रता में स्वाभिमान अवश्य अनिवार्य तत्व है ,किन्तु स्वाभिमान को अहंकार तक संकुचित करना उचित नहीं है | स्वतंत्रता में स्वाभिमान तथा नम्रता दोनों का संयोग जरुरी है | यह बात निश्चित है कि जो मनुष्य मर्यादापूर्वक जीवन व्यतीत करना चाहता है , उसके लिए स्वाभिमान तथा नम्रता जरुरी है | इससे आत्मनिर्भरता आती है तथा हमें अपने पैरों पर खड़ा होना आता है | आज युवा वर्ग अपनी आकांक्षाओं तथा योग्यताओं के कारण बहुत आगे निकल गया है लेकिन उसे ध्यान रखना चाहिए

कि वह अपने बड़ों का सम्मान करे तथा बराबर के लोगों से कोमलता का व्यवहार करे |यह आत्म मर्यादा के लिए आवश्यक है | इस संसार में जो कुछ हमारा है ,उसमें बहुत से अवगुण तथा थोड़े गुण सब इस बात की आवश्यकता प्रकट करते हैं कि हमें अपनी आत्मा को नम्र रखना चाहिए |

नम्रता से अभिप्राय दब्बूपन से नहीं है ,जिसके कारण मनुष्य दूसरों का मुँह देखता है , जिससे उसका संकल्प क्षीण तथा उसकी प्रज्ञा मंद पड़ जाती है ,जिसके कारण आगे बढनें के समय भी हम पीछे रह जाते हैं और अवसर आने पर उचित निर्णय नहीं कर पाते हैं | इस प्रकार मनुष्य का जीवन उसके हाथों में है | सच्ची आत्मा वही जो विपरीत परिस्थितियों में स्वाभिमान तथा नम्रता को बनाए रखने में सफल होती है |

क) नम्रता से क्या अभिप्राय है ? 2

ख) हमें अपने से बडों तथा बराबर वालों से कैसा व्यवहार करना चाहिए ? 2

ग) वर्तमान समय में युवा - वर्ग की क्या स्थिति है ? 2

घ) "सच्ची आत्मा" को किस प्रकार परिभाषित किया जाता है ? 2

ड) स्वाभिमान तथा आत्मनिर्भरता में प्रयुक्त उपसर्ग लिखिए 1

च) उपरोक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए | 1

अथवा

उन्नीसवीं शताब्दी में यह राष्ट्रीय जागरण संपूर्ण भारत में किसी न किसी रूप अभिव्यक्त हो रहा था, जिसमें भारतीयता के साथ आधुनिकता का संगम था | स्वामी विवेकानंद ने तो अमेरिका, इंग्लैंड आदि देशों से भारत लौट कर पूर्व और पश्चिम के श्रेष्ठ तत्त्वों के सम्मिलन से भारत को आधुनिक बनाने का स्वप्न देखा था | उन्होंने माना कि भारत और पश्चिम की मूल गति एवं उददेश्य भिन्न हैं ,परंतु भारत को जागना होगा , कुसंस्कारों एवं जाति विद्वेष को त्यागना को होगा, शिक्षित होकर देश की अशिक्षित, गरीब जनता को ही ' दरिद्रनारायण ' मान कर उनकी सेवा करनी होगी , उनका उत्थान करना होगा

विवेकानंद का मत था कि भारत में जो जितना दरिद्र है उतना ही साधु है |यहाँ गरीबी अपराध एवं पाप नहीं है तथा दरिद्रों की अपेक्षा धनिकों को अधिक प्रकाश की जरूरत है| वे चाहते थे कि हम नीच,अज्ञानी दरिद्र – सभी को भाई माने और गर्व से कहें कि हम सब भाई भारतवासी हैं | मनुष्य को मानव बनाना, आदमी को इंसान बनाना आवश्यक है |हमें ऐसी शिक्षा चाहिए जो हमें संस्कारी मानव ,हमदर्द इंसान बना सके | विचारों में विवेकानंद गांधी से अधिक दूर नहीं थे और ऐसे ही विचारकों का चिंतन उन्नीसवीं सदी में भारत को उद्वेलित कर रहा था |

क) विवेकानंद कौन थे ?उन्होंने क्या स्वप्न देखा था ? 2

ख) पश्चिम के उद्देश्यों से भिन्न भारत के बारे में क्या मानना था ? 2

ग) आशय स्पष्ट कीजिए – 'दरिद्रनारायण ' मान कर उनकी सेवा करनी होगी | 2

घ) विवेकानंद दरिद्रों की अपेक्षा धनिकों को अधिक प्रकाश की जरूरत क्यों मानते थे ? 2

ड.) मनुष्य को मानव ' बनाने से क्या तात्पर्य है ? 1

च) विवेकानंद के मत में भारतीयों को कैसी शिक्षा की जरूरत है ? 1

प्र० 2 निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

यदि फूल नहीं बो सकते तो काँटे कम से कम मत बोओ |
है अगम चेतना की घाटी , कमजोर बड़ा मानव का मन ,
ममता की शीतल छाया में होता कटुता का स्वयं शमन ,

ज्वालाएँ जब धुल जाती हैं ,खुल खुल जाते हैं मुंदे नयन ,
होकर निर्मलता में प्रशांत , बहता प्राणों का क्षुब्ध पवन
संकट में यदि मुस्कुरा नहीं सको, भय से कातर हो मत रोओ
यदि फूल नहीं बो सकते तो काँटे कम से कम मत बोओ |

क) फूल और काँटे बोने का प्रतीकार्थ क्या है ? 1

ख) मन किन स्थितिओं में अशांत होता है और कैसी स्थितियां उसे शांत कर देती हैं ? 1

ग) संकट आ पड़ने पर मनुष्य का व्यवहार कैसा होना चाहिए और क्यों ? 1

घ) मन में कटुता कैसे आती है और वह कैसे दूर हो जाती है ? 1

ड.) उपरोक्त काव्यांश का उपयुक्त शीर्षक दीजिए | 1

अथवा

यह देखिए ,अरविंद –से शिशुवृंद कैसे सो रहे !
है नेत्र माता के इन्हें लख तृप्त कैसे हो रहे |
क्यों खेलना ,सोना रुदन करना ,विहँसना आदि स
देता अपरिमित हर्ष उसको देखती वह इन्हें जब ?
वह प्रेम है , वह प्रेम है , वह प्रेम है , वह प्रेम है ,
है अचल जिसकी मूर्ति ,हाँ –हाँ, अटल जिसका नेम है

क) शिशुओं की तुलना किससे की गई है और क्यों ? 1

ख) ' वह प्रेम है' – कथन को बार -बार क्यों दुहराया गया है ? 1

ग) सोते बच्चे को देख कर माँ की आँखों में कौन सा भाव दिखाई पड़ता है ? 1

घ) माँ को असीम आनंद कब प्राप्त होता है ? 1

ड) संतान के प्रति माता-पिता के प्रेम को क्या कहते हैं ? 1

खंड ख

प्र० 3 निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबंध लिखिए | 10

क) मँहगाई से टूटता मध्यवर्ग

ख) मानव और हिंसात्मक प्रवृत्ति

ग) चरित्र : अमूल्य धन

घ) मोबाइल फोन : क्रान्ति या विनाश

ड) जीवन में खेलों का महत्त्व

च) मेरी अविस्मरणीय यात्रा

छ) सारे जहाँ से अच्छा हिंदोस्ताँ हमारा

प्र० 4 अपने मोहल्ले में रात्रि में पहरे का उचित प्रबंध कराने के लिए अपने क्षेत्र के थाना अध्यक्ष को पत्र लिखिए | 5

अथवा

दूरदर्शन के महानिदेशक को पत्र लिख कर दूरदर्शन कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए एक पत्र लिखिए |

अथवा

अपने नगर के महापौर को पत्र लिखकर नगर में नियमित एवं अपर्याप्त जल वितरण से होने वाली असुविधाओं के प्रति उनका ध्यान आकृष्ट कीजिए |

अथवा

बढ़-चढ़ दावा करने वाले और भ्रामक प्रचार करने वाले विज्ञापनों से ग्राहकों ,उपभोक्ताओं को होने वाली परेशानी का उल्लेख करते हुए किसी समाचार पत्र के संपादक को पत्र लिखिए |

प्र० 5 अ) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखिए | 1X5 =5

क) प्रिंट माध्यम के लेखक को किन बातों का ध्यान रखना चाहिए ?

ख) बीट का अर्थ लिखिए |

ग) पत्रकारिता को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ क्यों कहा है ?

घ) डेस्क के विषय में लिखिए |

ङ) समाचार के तत्व कौन से हैं

च) पीत पत्रकारिता किसे कहते हैं?

छ) इंटरनेट पत्रिका के लोकप्रियता के दो कारण लिखिए |

ज) 'उल्टा पिरामिड शैली ' क्या है ?

झ) पत्रकारिता की भाषा में 'बीट' का क्या आशय है ?

ट) संपादक के दो प्रमुख उत्तरदायित्वों का उल्लेख कीजिए |

प्र० 6 'मेरे विद्यालय का पुस्तकालय ' अथवा 'मेरे शहर में प्रदूषण ' अथवा 'मैली हो रही गंगा ' अथवा 'योग के प्रति बढ़ती रुचि ' विषय पर एक फीचर लिखिए | 5

खंड 'ग '

प्र० 7 निम्नलिखित पद्यांश को पढ़ कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए- 2x4=8

हम तौ एक एक करि जांनां ।
दोइ कहैं तिनहीं कौं दोजग जिन नाहिंन पहिचानां ॥
एकै पवन एक ही पानीं एकै जोति समानां ।
एकै खाक गढ़े सब भांडे एकै कोहरां सानां ॥
जैसे बाढ़ी काष्ट की काटै अगिनि न काटै कोई ।
सब घटि अंतरि तूँही व्यापक धरे सरूपै सोई ॥
माया देखि के जगत लुभाना काहे रे नर गरबाना |
निरभै भया कछू नहिं ब्यापै कहै कबीर दिवाना ||

क) कवि कबीर ने परमात्मा की एकता किस प्रकार सिद्ध की है ?

ख) संसार नश्वर है पर आत्मा अमर है –इस बात को किस उदाहरण से सिद्ध किया है ?

ग) कवि मनुष्य को किन –किन दोषों से बचने की चेतावनी देता है ?

घ) कबीर के अनुसार नरक के भागीदार कौन हैं ?

अथवा

घर कि घर में चार भाई , मायके में बहिन आई ,
बहिन आई बाप के घर , हाय रे परिताप के घर !
घर कि घर में सब जुड़े हैं ,सब कि इतने कब जुड़े हैं,
चार भाई चार बहिनें , भुजा भाई प्यार बहिनें |

क) कवि और कविता का नाम लिखिए |
ख) कवि की बहिन को अपना मायका " परिताप का घर " क्यों लगा होगा ?
ग) भुजा भाई प्यार बहिने " का आशय स्पष्ट कीजिए |
घ) कवि के पारिवारिक संबंधों पर प्रकाश डालिए |

अथवा

घर में विधवा रही पतोहू, लक्ष्मी थी, यद्यपि पति घातिन ,
पकड़ मँगाया कोतवाल ने ,डूब कुएँ में मरी एक दिन ,
खैर पैर की जूती ,आती दूसरी जोरू न सही ,
पर जवान लड़के की सुध कर साँप लौटते फटती छाती

क) किसान की पतोहू को पति घातिन क्यों कहा गया है ?
ख) किसान की पतोहू कुँए में क्यों डूब मरी ?
ग) पैर की जूती किसे कहा गया है ? इसमें किस पर व्यंग्य है ?
घ) किसान के मन में किस की मृत्यु पर अधिक दुःख है ? और क्यों ?

प्र० 8 निम्नलिखित काव्यांश का भाव- सौंदर्य और शिल्प– सौंदर्य स्पष्ट कीजिए | 3+3=6

निकल रहा है जलनिधि– तल पर दिनकर– बिंब अधूरा|
कमला के कंचन– मंदिर का मानो कांत कँगूरा|
लाने को निज पुण्य - भूमि पर लक्ष्मी की असवारी|
रत्नाकर ने निर्मित कर दी स्वर्ण– सड़क अति प्यारी|

अथवा

मेरे तो गिरधर गोपाल ,दूसरो न कोई
जाके सिर मोर -मुकुट मेरो पति सोई
छांडि दयी कुल की कानि, कहा करिहै कोई ?
संतन ढिंग बैठि- बैठि लोक लाज खोयी
अंसुवन जल सिंचि सिंचि ,प्रेम बेलि बोयी
अब त बेलि फैलि गयी, आणद फल होयी

प्र० 9 निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए | 2x3= 6

क) कबीर के धार्मिक विचारों पर प्रकाश डालिए |
ख) कबीर की दृष्टि में किन लोगों को आत्मबोध नहीं हो पाता ?
ग) विष का प्याला राणा भेज्या ,पीवत मीरा हाँसी –इसमें क्या व्यंग्य छिपा है ?

घ) 'भगत देखि राजी हुयी ,जगत देखि रोयी' –इस पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए |

ड.) 'वे आँखे 'कविता में कवि ने किसान की पीड़ा के लिए किसे जिम्मेदार कहा है ?

च) 'वे आँखे' कविता द्वारा कवि क्या कहना चाहते हैं ?

छ) सूर्योदय वर्णन के लिए किस तरह के बिंबों का प्रयोग हुआ है ?

ज) पथिक का मन कहाँ विचरना चाहता है ?

झ) 'घर की याद ' कविता द्वारा पिता के व्यक्तित्व की किन विशेषताओं को उकेरा गया है ?

ट) 'घर की याद ' कविता का आशय स्पष्ट कीजिए |

प्र० 10 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़ कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए | 2x3=6

बिछुडन – समय बड़ा करुणादायक होता है | आपको बिछुडते देख कर आज हृदय में बड़ा दुःख है | माई लार्ड ! आपके दूसरी बार इस देश में आने से भारतवासी किसी प्रकार प्रसन्न न थे | वे यही चाहते थे कि वे फिर न आवें | पर आप आए और उससे यहाँ के लोग बहुत दुखित हुए | वे दिन रात यही मनाते थे कि जल्द श्रीमान यहाँ से पधारें | पर अहो ! आज आपके जाने पर हर्ष की जगह विषाद होता है | इसी से जाना कि बिछुडन –समय बड़ा करुणादायक होता है , बड़ा पवित्र ,बड़ा निर्मल और बड़ा कोमल होता है | वैर - भाव छूट कर शांत रस का आविर्भाव उस समय होता है |

क) लेखक किसे संबोधित कर रहा है ? उसे किस की विदाई पर दुःख है और क्यों ?

ख) भारतवासी दूसरी बार किसे नहीं आना देना चाहते थे ?

ग) बिछुडन –समय को पवित्र , निर्मल और शांत क्यों कहा गया है ?

अथवा

फिर तेवर चढ़ा हमें घूर कर कहा – "तुनकी पापड़ से ज्यादा महीन होती है , महीन | हाँ ! किसी दिन खिलाएँगे ,आपको | "एकाएक मियाँ की आँखों के आगे कुछ कौंध गया | एक लंबी साँस भरी और किसी गुमशुदा याद को ताजा करने को कहा – "उतर गए वे जमाने | और गए वे कद्रदान जो पकाने –खाने की कद्र करना जानते थे ! मियाँ अब क्या रखा है... निकाली तंदूर से –निगली और हजम " !

क) मियाँ के तेवर चढ़ाने और घूरने का क्या कारण था ?

ख) "उतर गए वे जमाने" से क्या अभिप्राय है ?

ग) मियाँ नसीरुद्दीन आज के वातावरण से निराश क्यों हैं ?

अथवा

फ़िल्म का काम आगे भी ढाई साल चलने वाला है,इस बात का अंदाजा मुझे पहले नहीं था | इसलिए जैसे जैसे दिन बीतने लगे ,वैसे वैसे मुझे डर लगने लगा | अपू और दुर्गा की भूमिका निभाने वाले बच्चे अगर ज्यादा बड़े हो गए , तो फ़िल्म में वह दिखाई देगा | लेकिन मेरी खुश किस्मती से उस उम्र में बच्चे जितने बढते हैं ,उतने अपू और दुर्गा की भूमिका निभाने वाले बच्चे नहीं बढे |इंदिरा थाकरून की भूमिका निभाने वाली अस्सी साल उम्र की चुन्नी बाला देवी ढाई साल तक काम कर सकी यह भी मेरे सौभाग्य की बात थी |

क) समय के साथ लेखक के मन में कौन - सा डर समाने लगा ?

ख) लेखक किस बात को अपनी खुशकिस्मती मानता है ?

ग) इंदिरा ठाकरुन के संदर्भ में लेखक किस बात को अपना सौभाग्य मानता है ?

प्र० 11 निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर लिखिए | 3x3=9

क) धनराज को मोहन के किस व्यवहार पर हैरानी होती है और क्यों ?

ख) पथेर पांचाली फ़िल्म की शूटिंग का काम ढाई साल तक क्यों चला ?

ग) कर्जन को इस्तीफा क्यों देना पड़ा ?

घ) विदाई का समय करुणोत्पादक होता है –इस तथ्य को सप्रमाण सिद्ध कीजिए |

ड.) 'नमक का दरोगा ' कहानी के आधार पर सामाजिक यथार्थ के बारे में अपने विचार व्यक्त कीजिए|

च) 'नमक का दारोगा' कहानी के आधार पर वंशीधर का चरित्र चित्रण कीजिए |

छ) धनराज मोहन को अपना प्रतिद्वंद्वी क्यों नहीं समझता था ?

ज) फ़िल्म निर्माण किसी तपस्या से कम नहीं –सिद्ध कीजिए \

झ) मियाँ नसीरुद्दीन को नानबाइयों का मसीहा क्यों कहा जाता है ?

ट) मियाँ नसीरुद्दीन की अखबार वालों के बारे में क्या राय है ?

प्र० 12 निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर दीजिए | 3x3=9

क) वर्षा न होने की स्थिति में कुंई में पानी कहाँ से आता है ?

ख) कुंई का मुँह छोटा क्यों रखा जाता है ?

ग) कुंई खोदने वाले चेजारो अपने सिर पर टोप क्यों धारण करते थे ?

घ) लता मंगेशकर ने चित्रपट- संगीत में क्या योगदान दिया ?

ड.) चित्रपट आवर शास्त्रीय संगीत में क्या अंतर है ?

च) लता मंगेशकर और नूरजहाँ के गायन में क्या महत्वपूर्ण अंतर है ?

प्र० 13 क्या आप इस कथन से सहमत हैं कि लता मंगेशकर ने भारतीय लोगों की संगीत रूचि को सँवारा है|

अथवा

पातरपानी , पातालपानी , तथा रेजाणीपानी के बारे में आप क्या जानते है?

5